मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 45 | अंक : 222 | शुक्रवार 28 नवंबर 2025 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A.   Mobile.:- 9822045566

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play | GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

घाटे में चल रहा है दीपिका का स्किनकेयर ब्रांड

चुनाव टलने की आशंका से बढ़ी धड़कनें

■ आज सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर लगी सबकी निगाहें

अंबरनाथ. नगर पालिका और नगर पंचायत चुनाव के लिए प्रचार शुरू हो गया है; लेकिन रिज़र्वेशन लिमिट के उल्लंघन की अर्ज़ी पर शुक्रवार (तारीख 28) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। इसलिए, चुनाव अधर में लटकने की आशंका से उम्मीदवारों के दिल की धड़कने बढ़ने लगी हैं.

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि स्थानीय स्वराज्य संस्था के चुनाव 31 जनवरी, 2026 से पहले करवा लिए जाएं। इसके मुताबिक, चुनाव आयोग ने काम करना शुरू कर दिया है। आयोग ने नगर परिषद चुनाव का प्रोग्राम घोषित कर दिया है। 2 दिसंबर को नगर पालिका और नगर पंचायत के लिए वोटिंग होगी। उम्मीदवारों ने वोटरों से मिलना शुरू कर दिया है; लेकिन कुछ नगर पालिकाओं में 50 परसेंट से ज़्यादा रिज़र्वेशन का मामला कोर्ट में पेंडिंग है। इस वजह से नगर पालिका चुनाव के उम्मीदवारों के साथ-साथ ज़िला परिषद और पंचायत समिति के उम्मीदवारों में भी डर बढ़ गया है।

कोर्ट की सुनवाई ने चुनाव में किस्मत आज़माने वालों का ध्यान खींचा है। नगर पालिका चुनाव में कई लोगों को मौका नहीं मिला। इस वजह से कई लोगों को लग रहा है कि चुनाव टाल देने चाहिए। दूसरी तरफ, जिन लोगों ने नॉमिनेशन लिया और कैंपेन शुरू कर दिया, उनके दिल में डर बैठ गया है। कई लोग यह भी सोच रहे हैं कि अगर चुनाव में देरी हुई या फेरबदल के ऑर्डर आए तो क्या होगा।

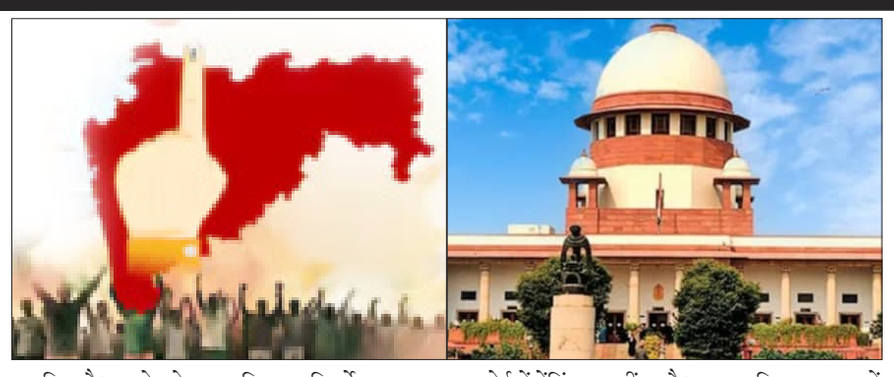

भारत के चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची वाली बेंच को SEC ने बताया कि 246 म्युनिसिपल काउंसिल और 42 नगर पंचायतों के चुनाव 2 दिसंबर के लिए पहले ही नोटिफाई कर दिए गए हैं, और जिन लोकल बॉडीज में चुनाव होने वाले हैं, उनमें से कई में 50 परसेंट की आरक्षण लिमिट पार हो गई है। चुनाव आयोग ने कोर्ट को आगे बताया कि ज़िला परिषदों, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और पंचायत समितियों के चुनाव अभी तक नोटिफाई नहीं किए गए हैं। इन डिटेल्स पर ध्यान देते हुए सीजेआई ने कहा कि 57 लोकल बॉडीज में ज्यादा आरक्षण सुप्रीम कोर्ट में अभी चल रही कार्रवाई के नतीजे पर निर्भर रहेगा।

राज्य चुनाव आयोग ने बताया कि 246 म्युनिसिपल काउंसिल और 42 नगर पंचायतों के चुनाव 2 दिसंबर के लिए पहले ही नोटिफाई कर दिए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र लोकल बॉडी इलेक्शन मामले की सुनवाई 28 नवंबर तक के लिए टाल दी। क्योंकि राज्य सरकार ने 50 फीसदी से ऊपर गए आरक्षण के विषय के लिए समय मांगा। सरकार ने पहले भी कहा था कि वह आरक्षण पर 50 परसेंट की लिमिट के बारे में स्टेट इलेक्शन कमीशन (SEC) से बात कर रही है।

चुनाव में खूनी जंग शुरू

■ भाजपा कार्यकर्ता को शिवसेना कार्यकर्ताओं ने जान से मारने का किया प्रयास

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ में भाजपा के कार्यकर्ता एवं भाजपा शहराध्यक्ष पश्चिम प्रजेश तेलंगे के भतीजे सत्यम सुनिल तेलंगे (22) को शिवसेना के कार्यकर्ताओं साहिल वडनेरे और उनके दो साथियों ने तेजधार वाले हथियार से वार करके जान से मारने का प्रयत्न किया है. सत्यम गंभीर रूप से घायल है. सत्यम ने अंबरनाथ पुलिस को बताया कि 26 नवंबर की शाम 6.30 बजे आरोपी साहिल वडनेरे ने उन्हें फो करके एम्पायल होम्स की पाटलिपुत्र बिल्डिंग के पास बुलाया और बोला कि शैलेश भोईर (जो शिवसेना के उम्मीदवार हैं), विनोद भोईर, समीर मगर, जयेश मगरे, अमन सोनकांबले इनके विरोध में कुछ बोलने का नहीं. शैलेश दादा के विरोध में प्रचार करने का नहीं, नहीं तो तुझे मार दूंगा. ये कहकर उसने उसके गरदन पर कोयते से वार करने का प्रयत्न किया. सत्यम ने अपना हाथ आगे करके बचने का प्रयास किया तो आरोपी ने उसके हाथ, अंगूठे और वार पीठ पर करके सत्यम को गंभीर रूप से घायल कर दिया. बिल्डिंग में सुरक्षा रक्षक अनिल से आरोपी ने कहा कि आगे आएगा तो तेरे को काट डालूंगा. ऐसी धमकी देकर वह चला गया. भाजपा अध्यक्ष प्रजेश तेलंगे ने कहा है कि साहिल वडनेरे शिवसेना का कार्यकर्ता है. पुलिस उसे और उसके साथियों को गिरफ्तार करके कड़ी से कड़ी सजा दे.

दूसरी ओर हमने शिवसेना के शैलेश भोईर से संपर्क करने का प्रयास किया, तो उन्होंने हमारे कॉल को कोई प्रतिसाद नहीं दिया.

अंबरनाथ भाजपा-RPI के बीच गलतफहमी दूर हुई

भाजपा-आरपीआई (आ) गठबंधन की घोषणा

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ आरपीआई (आ) ने अंबरनाथ नपा चुनाव में भाजपा से गठबंधन करने की घोषणा की है. आरपीआई के दो उम्मीदवारों को भाजपा का एबी फार्म देकर चुनाव लड़ने के लिए चुनावी मैदान में उतारा गया था. लेकिन दोनों ही उम्मीदवारों के फार्म छाननी में अवैध होने के बाद आरपीआई के नेताओं ने भाजपा नेताओं पर आरोप लगाया कि उन्होंने आरपीआई के उम्मीदवारों को एबी फार्म देने से पूर्व भाजपा के उम्मीदवारों को फार्म देने से उनके उम्मीदवारों के नामांकन रद्द किए गए.

इस बात को गंभीरता से लेते हुए आरपीआई शहराध्यक्ष दीपक धनवडे, राहुल हंडोरे ने भाजपा के साथ चुनाव में युति तोड़ने की घोषणा की थी. भाजपा के वरिष्ठ नेता गुलाबराव करंजुले एवं आरपीआई के नेताओं के साथ बैठक का आयोजन करके गलतफहमियों को दूर किया गया. फिर एक पत्रकार परिषद का आयोजन करके आरपीआई नेताओं ने पत्रकारों को बताया कि उनकी गलतफहमियां दूर हो गई है. उनके एक नेता को भाजपा को-आप्ट नगरसेवक में लेगी. इसलिए भाजपा-आरपीआई में युति बरकरार रखा गया है. गुलाबराव करंजुले ने बताया कि नपा 2025 चुनाव में उनके अगर 15 उम्मीदवार चुनकर आते हैं तो आरपीआई (आ) के एक नेता को को-आप्ट नगरसेवक पद पर लिया जाएगा. दोनों पक्ष के नेताओं की ओर से भाजपा-आरपीआई युति की घोषणा की गई.

बदलापुर से कर्जत तक बनेगी तीसरी-चौथी रेललाइन

■ केंद्र ने नए 2 रूट को दी मंज़ूरी

■ 1324 करोड़ रुपये होंगे खर्च

■ आधा खर्च महाराष्ट्र सरकार उठाएगी

■ कल्याण-बदलापुर रूट का 30% पूरा हुआ काम

कल्याण. रेल यात्रा में भीड़ की समस्या को कम करने के लिए ज़रूरी कल्याण-बदलापुर तीसरी और चौथी लाइन का प्रोजेक्ट 30 परसेंट तक पूरा हो गया है। वहीं अब केंद्र सरकार ने बुधवार को बदलापुर-कर्जत के बीच 32 km लंबी तीसरी और चौथी लाइन बनाने के ज़रूरी प्रोजेक्ट को मंज़ूरी दे दी।

MUTP 3A के तहत कल्याण-बदलापुर प्रोजेक्ट पर मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन (MRVC) के ज़रिए काम चल रहा है। इसमें मौजूदा डबल लाइन के साथ दो नई लाइनें बनाई जा रही हैं। इससे ज़रूरी समय पर ज़्यादा लोकल ट्रेनें चलाना मुमकिन हो जाएगा। इस लाइन के चार लेन का हो जाने के बाद, पूरे कल्याण-कर्जत बेल्ट पर सबअर्बन ट्रैफिक को बहुत आसानी होगी। केंद्र सरकार ने बुधवार को बदलापुर और कर्जत के बीच रेलवे की तीसरी और चौथी लाइन बनाने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दे दी। इस प्रोजेक्ट पर 1324 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस खर्च का 50 परसेंट महाराष्ट्र सरकार उठाएगी।

कल्याण-बदलापुर फोर-लेन का काम आगे बढ़ा

- विट्ठलवाड़ी, उल्हासनगर और अंबरनाथ में प्लेटफॉर्म का विस्तार पूरा हुआ।
- उल्हासनगर और अंबरनाथ में सिग्नलिंग बिल्डिंग्स का काम आखिरी स्टेज में है।
- रेलवे स्टाफ के रहने की जगह के लिए छह मंज़िला बिल्डिंग्स की कास्टिंग का काम चल रहा है।
- प्रोजेक्ट में 21 पुल पूरे हो गए
- स्टेशन डेवलपमेंट (चिखलोली) - स्टेशन बिल्डिंग का फर्स्ट फ्लोर स्लैब पूरा हो गया है। सभी पांच स्टेशनों विट्ठलवाड़ी, उल्हासनगर, अंबरनाथ, चिखलोली और बदलापुर के प्लान को मंज़ूरी मिल गई है।
- प्रोजेक्ट की कुल लागत - 1510 करोड़ रुपये
- प्रोजेक्ट की लंबाई - 14 km

MRVC की दी गई जानकारी के मुताबिक, मंज़ूरी के बाद, बदलापुर-कर्जत प्रोजेक्ट के लिए टेंडर प्रोसेस शुरू किया जाएगा और असल काम अगले कुछ महीनों में शुरू होगा। इन दोनों प्रोजेक्ट्स से कल्याण-कर्जत रूट पर पैसेंजर कैपेसिटी बढ़ेगी और पैसेंजर्स को ज़्यादा ट्रिप और शेड्यूल में रेगुलरिटी मिलेगी।

उल्हासनगर से लापता लड़की वापी में मिली

उल्हासनगर. ठाणे पुलिस की क्राइम ब्रांच के इम्मोरल ह्यूमन ट्रैफिकिंग प्रिवेंशन सेल की टेक्निकल जांच से उल्हासनगर से लापता लड़की वापी में सुरक्षित मिल गई। विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की सीमा में दर्ज किडनैपिंग केस ने इलाके में बहुत हंगामा मचा दिया था। 16 साल की नाबालिग लड़की के गायब होने के बाद, परिवार की चिंता बढ़ती जा रही थी। स्थिति को गंभीरता से लेते हुए, ठाणे पुलिस की क्राइम ब्रांच के इम्मोरल ह्यूमन ट्रैफिकिंग प्रिवेंशन सेल ने समांतर जांच शुरू की। टेक्नोलॉजी की मदद से, कॉल डिटेल्स, लोकेशन ट्रैकिंग और CCTV फुटेज का गहराई से एनालिसिस किया गया और जांच तेजी से आगे बढ़ी, और आखिरकार इस बात का सबूत मिला कि लड़की गुजरात के वापी में है।

महिला डॉक्टर सहित 6 गिरफ्तार

मुंबई. वकोला से पांच वर्षीय बच्ची के अपहरण के आरोप में 60 वर्षीय बीएएमएस महिला डाक्टर सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। महिला डॉक्टर ने बच्ची को उसके चाचा से छह लाख रुपये में खरीदा था। बीएएमएस डॉक्टर वृंदा चव्हाण के पति का हाल ही में निधन हो गया था। उसने एक बच्चा गोद लेने का फैसला किया। इसी वजह से उसने आरोपित करण सनस से संपर्क किया, जो उनकी सोसाइटी में सफाईकर्मी के रूप में काम करता है।

'अंबरनाथकर कहते हैं अब बस हुआ, हमें आज़ादी दो'

भाजपा नगराध्यक्ष तेजश्री करंजुले के प्रचार में बोले विधायक किशन कथोरे

अंबरनाथ. अंबरनाथ में MLA किसन कथोरे की मीटिंग मेयर पद की उम्मीदवार तेजश्री विश्वजीत करंजुले के कैंपेन के लिए रखी गई थी। नागरिकों से बातचीत करते हुए किसन कथोरे ने कहा कि अंबरनाथकर खुद कहते हैं अब बस हो गया, हमें आज़ादी दो। नागरिकों से बातचीत करते हुए तेजश्री विश्वजीत करंजुले ने अपना विज़न शेयर किया और कहा कि मुझे यकीन है कि आप 2 दिसंबर को सही फ़ैसला लेंगे और सही उम्मीदवार चुनेंगे। इसी तरह, नागरिकों ने भी तेजश्री करंजुले से बातचीत करते हुए हमें भरोसा दिलाया कि हम आपके साथ हैं।

3 से 4 साल में बदलापुर में मेट्रो लाने की योजना

■ बदलापुर में बोले मुख्यमंत्री फडणवीस

बदलापुर. मैंने मुख्यमंत्री रहते हुए बदलापुर में आने वाली मेट्रो-14 का काम किया था। लेकिन उसके बाद, दूसरी सरकार ने काम रोक दिया। अब फिर से इस मेट्रो लाइन का टेंडर जारी हो गया है। पहले की तरह, मेट्रो प्रोजेक्ट में ज़्यादा साल नहीं लगेंगे। मेट्रो प्रोजेक्ट को तीन से चार साल में पूरा करने का प्लान बनाया गया है, ऐसा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा। फडणवीस ने यह भी भरोसा दिलाया कि वह यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि मेट्रो-5 बदलापुर तक कैसे पहुंचेगी। फडणवीस गुरुवार को बदलापुर में नगर निगम चुनाव के लिए प्रचार करने आए थे।

फडणवीस ने उद्धव ठाकरे की बुराई करते हुए कहा कि कांजुरमार्ग बदलापुर मेट्रो 14 का काम उनके मुख्यमंत्री रहते हुए हुआ था, जिसके बाद सरकार ने काम रोक दिया। हालांकि, फडणवीस ने साफ किया कि 18,000 करोड़ रुपये की इस मेट्रो का टेंडर घोषित हो चुका है और यह जल्द ही पूरा हो जाएगा। फडणवीस ने यह भी कहा कि मेट्रो का सारा काम तीन से चार साल में पूरा करने का प्लान है। आम आदमी की लोकल रेलवे को सेफ बनाना है। मेट्रो जैसे रेलवे कोच होंगे, वह भी बिना किसी किराए में बढ़ोतरी के, यह भी फडणवीस ने इस मौके पर अनाउंस किया।

शहर में फ्लड लाइन फिर से बनाई जाएगी, यह भी फडणवीस ने इस मौके पर कहा। इस मौके पर फॉरेस्ट मिनिस्टर गणेश नाइक, पूर्व मिनिस्टर कपिल पाटिल, MLA किसन कथोरे, कुमार ऐलानी, सुलभा गायकवाड़, नगराध्यक्ष और नगरसेवक पद के BJP कैंडिडेट और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद थे।

शहाड ब्रिज पर JCB में लगी आग

उल्हासनगर. शहाड फ्लाईओवर हाल ही में वाहनों के लिए खोला गया है। बुधवार दोपहर को शहाड़ फ्लाईओवर पर खड़ी एक JCB में अचानक आग लग गई। यह आग इतनी बुरी तरह फैली कि इलाके में डर का माहौल बन गया। इस आग की वजह से उस इलाके में ट्रैफिक रुक गया था।

घटना की सूचना उल्हासनगर महानगरपालिका के फायर डिपार्टमेंट की लेडीज फायरमैन रवि कुशवाहा, फायरमैन योगेश शेलके, सुहास सिसवे, परमेश्वर ढकने, प्रमोद बुधवंत और अमोल दौंड और ड्राइवर महेश मोहिते को मिली, जो तुरंत मौके पर पहुंचे और आग बुझाई। शहाड फ्लाईओवर पर खड़ी JCB में अचानक आग लगने का कारण अभी साफ नहीं है। लेकिन आग में JCB को काफी नुकसान हुआ है। दूसरी ओर, यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि आग डीजल लीक होने की वजह से लगी होगी। अच्छी बात यह रही कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन JCB को नुकसान हुआ है।

अंबरनाथ भाजपा के नेता गुलाबराव करंजुले ने पुलिस में की शिकायत

सोशल मीडिया पर उनकी बदनामी करने वालों को गिरफ्तार किया जाए

अंबरनाथ. अंबरनाथ भाजपा के वरिष्ठ नेता गुलाबराव करंजुले पाटिल ने पुलिस विभाग को निवेदन देकर मांग की है कि उनकी, उनके परिवार एवं भाजपा की प्रतिमा मलीन करने के लिए किसी भी प्रकार का सबूत ना होते हुए भी सोशल मीडिया, इंस्टाग्राम, फेसबुक, वाट्सएप पर अ॰ऑडियो-वीडियो रील वायरल करके बदनामी की जा रही है. उन्होंने पत्र में लिखा है कि अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव में उनके परिवार के लोग खड़े हैं. इस रील में महिलाओं पर भी झूठे गंभीर बदनामीकारक आरोप किए गए हैं. प्रतिस्पर्धी राजकीय पक्ष एवं उनके उम्मीदवार का जनमत कम हो रहा है और वह चुनाव में पराभूत हो रहे हैं. इसको देखते हुए उन्होंने ऐसे झूठे, बदनामीकारक आरोप करना शुरू कर दिया है. सामनेवाले जनता की दिशाभूल कर रहे हैं और हमारी एवं पार्टी की बदनामी करने का प्रयत्न किया है. इसलिए बदनामी करनेवालों को गिरफ्तार करके उन पर अपराध दर्ज करने की मांग करंजुले ने की है. करंजुले ने पुलिस को कुछ नाम भी दिए हैं और कहा है कि सामने वाले की पूरी टीम, आरोपी व्हाइस गिवर, स्क्रिप्ट रायटर, वीडियो पोस्ट करने वाले पर, आपला अंबरनाथ फेसबुक एकाउंट, अंबरनाथ रील्स न्यूज इंस्टाग्राम एकाउंट, मी बालीश अभिजीत पर अपराध दर्ज करके उन्हें गिरफ्तार किया जाए. पुलिस ने भी जांच शुरू कर दी है.

विरोध से पहले ही स्पीड ब्रेकर का काम शुरू

उल्हासनगर. उल्हासनगर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित साल्वे और पर्यावरण नगर अध्यक्ष विशाल सोनवणे ने 10 दिन पहले पुलिस और ट्रैफिक विभाग, MMRDA और नगर निगम प्रशासन को कैलाश कॉलोनी से नेताजी रोड पर रोज़ाना होने वाले वाहन हादसों को देखते हुए ज़रूरी जगहों पर स्पीड ब्रेकर, बोल्डर, नोटिस बोर्ड, इंडिकेटर वगैरह लगाने के लिए 7 दिनों की डेडलाइन दी थी और अगर ये नहीं लगाए गए तो 25 नवंबर को कुर्ला कैंप में रास्ता रोको आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी थी.

इस बात पर ध्यान देते हुए पुलिस प्रशासन और ट्रैफिक विभाग ने तुरंत संबंधित प्रशासन को एक लिखित पत्र के ज़रिए उक्त काम शुरू करने के निर्देश दिए। इसीलिए MMRDA और मनपा प्रशासन जागा और विरोध से पहले ही काम शुरू कर दिया। उल्हासनगर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित साल्वे ने कहा कि आंदोलन को कुछ समय के लिए रोक दिया गया है। रोहित साल्वे ने पुलिस प्रशासन, ट्रैफिक विभाग के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अनिल पडवल और खबर छापने वाले सभी अखबारों का खास शुक्रिया अदा किया। आंदोलन का समर्थन करने वाले सभी नागरिकों और रिक्शा चालकों का भी विशेष आभार व्यक्त किया गया है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

सोने की बढ़ती कीमत

सोने के आभूषणों की चाहत हर किसी को होती है। मगर इसकी कीमतों में आए दिन जिस तरह का उछाल देखने को मिल रहा है, उससे समाज का एक बड़ा वर्ग सोने की खरीदारी करने की हैसियत से बाहर होता जा रहा है। दिल्ली के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना बारह सौ रुपए की छलांग लगा कर दो सप्ताह के उच्चतम स्तर एक लाख तीस हजार रुपए प्रति दस ग्राम के पार चला गया। मगर सवाल है कि सोने के दाम लगातार नई ऊंचाइयों को क्यों छू रहे हैं?

असल में संस्थागत निवेशकों, बड़े आभूषण कारोबारियों, खुदरा विक्रेताओं और आर्थिक रूप से संपन्न लोगों की जबर्दस्त खरीदारी इसका एक बड़ा कारण है। इससे मांग बढ़ रही है और आपूर्ति कम होने से दाम आसमान छू रहे हैं। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, बैंकों की जमा ब्याज दरों में कमी और वैश्विक अनिश्चितता के कारण भी सोने की मांग बढ़ रही है। यह सच है कि कुछ लोग सोने की खरीदारी को सुरक्षित निवेश मान रहे हैं, लेकिन इसके बढ़ते दामों का बाजार और अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है।

यह एक नया परिदृश्य है, जिसमें सोने को अब सुरक्षित और स्थिर निवेश के रूप में देखा जा रहा है। जबकि वित्तीय निवेश तंत्र और मुद्रा में लोगों का भरोसा घट रहा है। दुनियाभर में अस्थिरता का असर भी सोने की कीमतों पर पड़ा है। केंद्रीय बैंक सोने की ज्यादा खरीदारी कर रहे हैं। उनकी अपनी चिंताएं हैं। डालर के मुकाबले रुपया कमजोर हो रहा है।

तमाम आशंकाओं और अनिश्चितता की पृष्ठभूमि में अगर सोने की खरीदारी बढ़ रही है, तो इसके पीछे की चिंता को समझा जा सकता है। लोगों को लगता है कि अन्य निवेश के मुकाबले सोने में फायदा है। इसके दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार से तय होते हैं, लिहाजा इसमें किसी का सीधा हस्तक्षेप संभव नहीं है। मगर वैकल्पिक बंदोबस्त किए जा सकते हैं। जब-जब सोने के दाम बढ़ते हैं, महंगाई भी बढ़ती जाती है। चिंता की बात है कि सरकार इसे गंभीरता से लेती नहीं दिख रही है, जबकि सोने में तेजी महंगाई बढ़ने का ही संकेत है।

पाकिस्तान से बढ़ता खतरा, रहना होगा सावधान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 11 नवंबर को इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती बम धमाके की तो आतंकवादी हमला बता कर निंदा की, पर उससे एक दिन पहले दिल्ली में लाल किले के निकट आत्मघाती जिहादी बम धमाके को केवल धमाका बताकर संवेदना प्रकट कर दी। दिल्ली में हुए धमाके के तार पाकिस्तान के प्रतिबंधित जिहादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े थे। यकीन नहीं होता कि यह वही ट्रंप हैं जिन्होंने 2018 में लिखा था, 'पिछले 15 वर्षों में अमेरिका ने पाकिस्तान को बेवकूफी में 33 अरब डालर की मदद दी, जिसके बदले झूठ और फरेब के सिवा कुछ नहीं पाया।'

इस बीच आपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल मुनीर ने न जाने कौन सी घुट्टी पिला दी कि ट्रंप के सुर ही बदल गए हैं। अब वे उनके चहेते बन गए हैं। इतने चहेते कि सारी परंपराओं को ताक पर रखकर उन्हें व्हाइट हाउस में दावत दी गई, महान नेता कहकर तारीफ की गई और तीन महीने में तीन मुलाकातें हुईं। दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के नेता से अपने लिए 'महान' जैसे विशेषण सुनकर किसे गुमान नहीं होगा? उत्साहित होकर मुनीर सेनाप्रमुख से फील्ड मार्शल बन गए। भले ही भारत से देश और दुनिया के लोगों ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के सुबूत मांगें हों, मगर जनरल मुनीर को न पाकिस्तानी जनता को कुछ दिखाना पड़ा न दुनिया को।

उधर ट्रंप बार-बार यही राग अलापते रहे कि लड़ाई उन्होंने रुकवाई थी और टैरिफ की धमकी

देकर रुकवाई थी। भारत के मना करने पर भी वे बाज नहीं आए। ऊपर से 'अमेरिका-चीन आर्थिक एवं सुरक्षा समीक्षा आयोग' ने अपनी रिपोर्ट में दोतरफा बात कह दी। अमेरिकी कांग्रेस को दी रिपोर्ट में एक तरफ तो कहा कि चीन ने फर्जी इंटरनेट मीडिया अकाउंट और एआइ तस्वीरों के सहारे अपने जे-35 लड़ाकू विमानों को फ्रांसीसी राफेल विमानों से बेहतर दिखाने के लिए 'दुष्प्रचार अभियान' चलाया। दूसरी तरफ कहा कि लड़ाई में पाकिस्तान का पलड़ा भारी था, क्योंकि चीन इस भिड़ंत का इस्तेमाल अपने हथियारों की क्षमताओं को परखने और उनका प्रचार करने के लिए कर रहा था।

पाकिस्तान की कठपुतली सरकार के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के लिए इतना काफी था। उन्होंने गुलाम कश्मीर में एक कार्यक्रम के दौरान दावा किया कि अमेरिकी कांग्रेस में पेश रिपोर्ट पाकिस्तान की जीत को प्रमाणित करती है। भारत की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस इस रिपोर्ट के विरोध-खंडन की मांग कर रही है, मगर भारत सरकार चुप है, क्योंकि भारत और अमेरिका के संबंध इस समय नाजुक दौर से गुजर रहे हैं। क्रिप्टोकरेंसी व्यापार के पारिवारिक सौदे और दुर्लभ खनिजों, तेल और अरब सागर में एक बंदरगाह के प्रस्तावों से मुनीर के मुरीद हुए ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ तो टैरिफ की दरें कम कर दी हैं, परंतु भारत की स्वायत्तता, स्वाभिमान और राष्ट्रीय हित अभी भारत से जुड़ी उनकी हसरतों में आड़े आ रहे हैं। भारत को अपने व्यापार हितों के साथ उन सभी पहलुओं पर गंभीरता से सोचना और रणनीति बनानी है, जिन्हें ट्रंप अपनी विशुद्ध लेनदेन वाली नीति के कारण अनदेखा कर रहे हैं। जैसे जलवायु परिवर्तन की मार, विकासशील देशों के व्यापारिक और कूटनीतिक हित, नियमबद्ध वैश्विक व्यवस्था की बहाली और हिंद-प्रशांत की क्षेत्रीय सुरक्षा। इसलिए पीएम मोदी ने जी-20 से ट्रंप की नाराजगी को जानते हुए भी जोहानिसबर्ग शिखर सम्मेलन में शामिल होकर सही किया।

भारत इस समय पाकिस्तान में सत्ता के केंद्रीकरण और जिहादी हिंसा के बदलते स्वरूप की अनदेखी नहीं कर सकता। जनरल परवेज मुशर्रफ ने खुद पर जानलेवा हमलों की कोशिश के बाद इस्लामाबाद की लाल मस्जिद के दो मदरसों पर छापे डलवाए और माना था कि मदरसे जिहादी आतंक की फैक्ट्रियां बन चुके हैं। उन्होंने उन्हें सुधारने की कोशिश भी कीं, पर सफल नहीं हो पाए। तालिबान, तहरीके तालिबान पाकिस्तान, जैश, लश्कर आदि सभी जिहादी आतंकी संगठन मदरसों की ही देन हैं। पाकिस्तान में दर्जनों ऐसे मदरसे हैं, जहां जिहादी आतंक का प्रशिक्षण दिया जाता है।

जब हम आत्मा की आँखों से
जीवन को देखते हैं,
तो हमें विश्वास हो जाता है कि
प्रभु हमारी संभाल कर रहे हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

पुलिस थानों में क्रूरता का काला सच!

पिछले कुछ वर्षों से देश के विभिन्न हिस्सों में हिरासत में मौत की घटनाओं का मसला चिंताजनक रूप से उभर कर सामने आया है। जांच एजंसियों का काम आपराधिक मामलों में आरोपियों को न्याय के कठघरे में लाना है। दोष साबित करने के लिए सबूत जुटाने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की होती है। ऐसे में आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ करना जांच प्रक्रिया का हिस्सा है। मगर इस दौरान आरोपी की सुरक्षा का दायित्व भी संबंधित जांच एजंसी का ही होता है।

सवाल है कि अगर पुलिस या अन्य जांच एजंसियां अपने इस दायित्व को सही तरीके से निभा रही हैं, तो आए दिन हिरासत में मौत के मामले क्यों सामने आ रहे हैं? जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता क्यों नहीं बरती जा रही है। जाहिर है कि इस मामले में कहीं न कहीं लापरवाही और मनमानी की जा रही है, जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ा संज्ञान लिया है। शीर्ष अदालत ने राजस्थान में आठ माह के भीतर पुलिस हिरासत में ग्यारह लोगों की मौत हो जाने का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि हिरासत में हिंसा एवं मौत व्यवस्था पर एक धब्बा है और देश अब इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

यह सच है कि लोग जांच एजंसियों पर कम और न्यायपालिका पर ज्यादा भरोसा करते हैं। मगर न्याय प्रक्रिया शुरू

होने से पहले ही अगर किसी आरोपी की हिरासत में मौत हो जाती है, तो निश्चित रूप से न्याय की भावना को चोट पहुंचती है। सर्वोच्च न्यायालय ने मानवाधिकारों के हनन को रोकने के लिए वर्ष 2018 और 2020 में अलग-अलग आदेशों में पुलिस थानों, केंद्रीय जांच ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय और राष्ट्रीय जांच एजंसी सहित अन्य जांच एजंसियों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे तथा रिकार्डिंग उपकरण लगाने को कहा था।

इस व्यवस्था से जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता आना स्वाभाविक था, लेकिन इस पर अमल करने में भी कई स्तरों पर कोताही बरती जा रही है। कई पुलिस थानों में सीसीटीवी न लगे होने या उनके बंद होने की खबरें अक्सर आती रहती हैं। इससे स्पष्ट है कि जांच एजंसियां हिरासत में मानवाधिकारों की रक्षा को लेकर गंभीर नहीं हैं। शीर्ष अदालत ने इस मसले पर भी संज्ञान लिया है और अब तक अनुपालन हलफनामे दाखिल नहीं करने वाले राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को इसके लिए तीन सप्ताह का समय दिया है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2017-2022 तक पांच वर्षों में देश भर में पुलिस हिरासत में 669 लोगों की मौत हुई। यह स्थिति पुलिस हिरासत में लोगों की सुरक्षा को लेकर वास्तव में गंभीर चिंता पैदा करने वाली है। इस तरह के मामलों में शारीरिक प्रताड़ना, जरूरी चिकित्सा सेवाएं मुहैया न कराना या आत्महत्या जैसे कारण हो सकते हैं।

नियमानुसार किसी भी मामले की जांच के दौरान मानवाधिकारों का हनन नहीं होना चाहिए, लेकिन इस तरह की शिकायतें आए दिन सामने आती रही हैं। ऐसे में इस बात पर गौर करना जरूरी है कि हिरासत में मौत की घटनाओं पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी सिर्फ न्यायालय की नहीं है, बल्कि केंद्र और राज्यों सरकारों को भी इस पर तत्परता एवं गंभीरता दिखानी होगी। संबंधित कानूनों और न्यायालय के निर्देशों पर प्रभावी तरीके से अमल हो, इसका दायित्व सरकार का ही है। अगर हिरासत में किसी व्यक्ति की मौत होती है, तो उसके लिए जवाबदेही तय कर दोषी कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

5 साल की बच्ची बनी थी दुनिया की सबसे कम उम्र की मां

जरा हट के

एक ऐसी घटना जिसने 85 साल पहले पूरी दुनिया को सकते में डाल दिया था, आज भी एक अनसुलझा रहस्य बनी हुई है. जब यूरोप में द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत होने वाली थी, तब दुनिया के दूसरे कोने में एंडीज पर्वत श्रृंखला के एक छोटे से पेरूवियन गांव में एक अविश्वसनीय और भयानक कहानी सामने आई थी. लीना मार्सेला मेदिना (Lina Marcela Medina) नाम की पांच साल की बच्ची ने एक बच्चे को जन्म देकर दुनिया की सबसे कम उम्र की मां बनने का रिकॉर्ड बनाया था. वैज्ञानिकों और डॉक्टरों ने वर्षों तक सिर खुजाया है कि कैसे एक इतनी छोटी बच्ची पूर्ण रूप से विकसित होकर प्रजनन करने में सक्षम हो गई. इससे भी बड़ा और गहरा सवाल यह है कि लीना को गर्भवती करने वाला व्यक्ति कौन था, जिसका रहस्य आज भी अनसुलझा है. इस मामले में

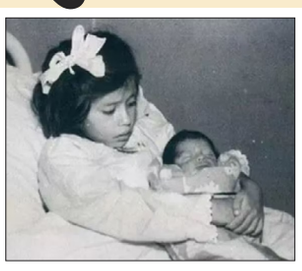

आज तक किसी को भी औपचारिक रूप से दोषी नहीं ठहराया गया है.

बता दें कि लीना का परिवार अत्यधिक गरीबी और अभाव में जीवनयापन करता था. कुछ महीनों बाद जब लीना का पेट धीरे-धीरे फूलने लगा, तो उसके पड़ोसियों ने उसे 'वर्जिन मैरी' या 'सूर्य देवता' के बच्चे की वाहक समझना शुरू कर दिया. परिवार ने इस समस्या को 'पेट में शैतान' मानकर ओझा और तांत्रिकों (Shamans) से संपर्क किया. ओझाओं ने इस समस्या को दूर करने के लिए कई स्थानीय उपचार किए, लेकिन कोई भी तरीका काम नहीं आया. अंततः उसके पिता उसे स्थानीय अस्पताल ले गए. डॉक्टरों ने शुरुआत में इसे ट्यूमर समझा, लेकिन बाद में यह देखकर दंग रह गए कि लीना सात महीने की गर्भवती थी. आखिर ये कैसे हुआ? डॉक्टरों को भी कुछ समझ नहीं आया. इस तरह से 14 मई 1939 को केवल 5 साल की उम्र में लीना ने अपने बच्चे को जन्म दिया. लीना ने अपने बच्चे को सी-सेक्शन के माध्यम से जन्म दिया, जिसका वजन जन्म के समय लगभग 6 पाउंड (लगभग 2.7 किलोग्राम) था और कोई जटिलता नहीं आई.

प्याजी कबाब

सामग्री

- आलू - 4-5 मध्यम
- कॉर्नफ्लोर या अरारोट - 3-4 बड़े चम्मच
- चावल का आटा - 1 बड़ा चम्मच
- हरी मिर्च - 2
- मसाले - नमक, लाल मिर्च पाउडर, भुना जीरा पाउडर, आमचूर पाउडर (स्वादानुसार)
- हरा धनिया
- तेल

चाट सजाने के लिए

- फेंटा हुआ दही - 1 कप
- हरी चटनी - धनिया-पुदीना की
- इमली की मीठी चटनी - खट्टी-मीठी सोंठ
- मसाले - चाट मसाला, काला नमक, भुना जीरा पाउडर, लाल मिर्च
- गार्निश - सेव, अनार के दाने और थोड़ा हरा धनिया

बनाने की विधि

सबसे पहले उबले हुए आलुओं को छीलकर कद्दूकस कर लें। अब इसमें कॉर्नफ्लोर, चावल का आटा, हरी मिर्च, हरा धनिया और टिक्की के सूखे मसाले मिलाएं। फिर इसे आटे की तरह गूंथ लें। अगर मिश्रण गीला लगे, तो थोड़ा और कॉर्नफ्लोर

डालें। अब हाथों पर थोड़ा तेल लगाएं और मिश्रण से मध्यम आकार की चपटा पैटी के आकार का कर लें। किनारों को चिकना कर लें ताकि तलते समय ये फटें नहीं। इसके बाद एक नॉन-स्टिक तवे पर 3-4 चम्मच तेल गर्म करें। टिक्कियों को तवे पर रखें और मध्यम आंच पर सेकें। जब एक तरफ से सुनहरी और कुरकुरी हो जाए, तो पलट दें और दोनों तरफ से गहरा सुनहरा होने तक सेकें। बाजार जैसा स्वाद पाने के लिए, टिक्की जब 80% पक जाए, तो उसे कलछी से थोड़ा दबाकर दोबारा सेकें। इससे वह अंदर तक कुरकुरी हो जाएगी। अब एक प्लेट में 2 गरमा-गरम टिक्कियों को रखें और उन्हें हल्का सा तोड़ लें। ऊपर से ठंडा और मीठा दही डालें। फिर हरी चटनी और इमली की मीठी चटनी डालें। ऊपर से चुटकी भर चाट मसाला, काला नमक, भुना जीरा और लाल मिर्च छिड़कें। सबसे लास्ट में बारीक सेव, अनार के दाने और हरे धनिये से सजाकर तुरंत सर्व करें।

...तो समझ जाएं हेल्दी नहीं हैं आप

शरीर में किसी भी तरह की गड़बड़ी होने पर हमारी बॉडी हमें चेतावनी देना शुरू कर देता है। हालांकि, अक्सर हम इन संकेतों को नजरअंदाज कर देते हैं या आम समस्या समझकर टाल देते हैं। लेकिन इन संके की जड़ में गंभीर बीमारियां छिपी हो सकती हैं। इसलिए अगर आपके शरीर में कुछ लक्षण लगातार बने रहें, तो समझ जाना चाहिए कि आप पूरी तरह स्वस्थ नहीं हैं और डॉक्टर को दिखाने की जरूरत है। आइए जानें ऐसे 6 लक्षणों के बारे में, जो शुरुआत में भले ही आम लग सकते हैं, लेकिन इन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

हमेशा थकान रहना

काम के बाद थकान होना सामान्य है, लेकिन अगर आप सुबह उठते ही थका हुआ महसूस करते हैं या दिनभर एनर्जी की कमी बनी रहती है, तो यह चिंता का कारण है। लगातार थकान सिर्फ नींद की कमी का संकेत नहीं है, बल्कि यह एनीमिया, थायरॉइड की समस्या, विटामिन-डी या बी12 की कमी, डिप्रेशन या क्रॉनिक स्ट्रेस का भी लक्षण हो सकता है। यह आपके इम्यून सिस्टम के कमजोर होने का भी संकेत है।

अक्सर सिरदर्द रहना

अगर सिरदर्द आपका रोज का साथी बन गया है, तो इसे हल्के में न लें। लगातार सिरदर्द न केवल आपकी प्रोडक्टिविटी को प्रभावित करता है, बल्कि यह गंभीर समस्याओं की ओर भी इशारा कर सकता है। इसके पीछे डिहाइड्रेशन, आंखों की कमजोरी, गर्दन में अकड़न, तनाव या ब्लड प्रेशर की समस्या जैसे कारण हो सकते हैं। कभी-कभी यह माइग्रेन का भी लक्षण हो सकता है।

अच्छी नींद न आना

स्वस्थ रहने के लिए गहरी और पूरी नींद का आना उतना ही जरूरी है जितना कि पौष्टिक खाना। अगर आप रात को सो नहीं पाते, बार-बार नींद टूटती है या सुबह उठने पर भी तरोताजा महसूस नहीं करते, तो यह इनसोम्निया का लक्षण है। खराब नींद आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों पर बुरा असर डालती है। यह तनाव या फिर ज्यादा कैफीन के कारण हो सकता है।

अचानक वजन कम होना या बढ़ना

बिना किसी कोशिश के अगर आपका वजन अचानक कम या ज्यादा हो रहा है, तो यह शरीर के अंदरूनी समस्या का संकेत है। वजन का अचानक गिरना थायरॉइड, डायबिटीज, डाइजेस्टिव डिसऑर्डर या किसी अन्य गंभीर बीमारी का लक्षण हो सकता है। वहीं, वजन का तेजी से बढ़ना हार्मोनल असंतुलन, अनहेल्दी खानपान या इनएक्टिविट लाइफस्टाइल को दिखाता है।

पाचन दुरुस्त न होना

स्वस्थ शरीर का आधार स्वस्थ पेट होता है। अगर आप अक्सर गैस, एसिडिटी, कब्ज, दस्त या पेट फूलने की समस्या से परेशान रहते हैं, तो यह बताता है कि आपका पाचन तंत्र ठीक से काम नहीं कर रहा है। यह समस्याएं खराब डाइट, कम पानी पीने, फाइबर की कमी या फूड इंटॉलरेंस के कारण हो सकती हैं। लगातार पाचन संबंधी समस्याएं इरिटेबल बाउल सिंड्रोम (IBS) जैसी स्थिति की ओर भी इशारा कर सकती हैं।

रेस्टिंग हार्ट रेट ज्यादा होना

आराम की अवस्था में वयस्कों का रेस्टिंग हार्ट रेट 60 से 100 बीट प्रति मिनट के बीच होती है। अगर आपकी रेस्टिंग हार्ट रेट लगातार इससे ऊपर रहती है, तो यह चिंता का विषय है। यह शारीरिक फिटनेस की कमी, तनाव, एंग्जाइटी, डिहाइड्रेशन, थायरॉइड या दिल से जुड़ी समस्याओं का संकेत हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष : दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमज़ोर रहेगा। बेचैनी रहेगी। धनार्जन सुगम होगा।

वृषभ : प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन : प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें।

कर्क : शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है।

सिंह : आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। तनाव रहेगा।

कन्या : घर-बाहर सहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों समय पर संपन्न होंगे। आय में वृद्धि हो सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं।

तुला : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी। थकान महसूस होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

वृश्चिक : सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। कानूनी बाधा आ सकती है। विवाद न करें। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

धनु : कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा।

मकर : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है।

कुंभ : व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे।

मीन : भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

सर्दियों में दूसरों से ज्यादा लगती है ठंड?

तो मौसम नहीं, दो पोषक तत्वों की कमी है असली वजह

सर्दियों का मौसम आते ही ठंड लगना एक आम बात है। लेकिन क्या आपने कभी गौर किया है कि कुछ लोगों को दूसरों की तुलना में ज्यादा ठंड लगती है? अगर आप भी हमेशा हाथ-पैरों में ठंडक या कंपकंपी महसूस करते हैं, तो हो सकता है कि इसके पीछे सर्दी का हाथ न हो। दरअसल, कई बार शरीर में कुछ पोषक तत्वों की कमी के कारण भी ज्यादा ठंड लगती है। हम बात कर रहे हैं आयरन और विटामिन-बी12 की। इनकी कमी के कारण शरीर का तापमान बनाए रखने में परेशानी होती है और ज्यादा ठंड महसूस होती है। आइए जानें ऐसा क्यों होता है और इससे बचने के लिए क्या करें।

ठंड और पोषक तत्वों का क्या है कनेक्शन?

हमारे शरीर का तापमान बनाए रखने का काम मुख्य रूप से हमारे ब्लड सर्कुलेशन और रेड ब्लड सेल्स पर निर्भर करता है। आयरन और विटामिन-बी12 दोनों ही हेल्दी रेड ब्लड सेल्स बनाने में अहम

अन्य लक्षण...

- थकान और कमजोरी महसूस होना
- त्वचा का पीला पड़ना
- सांस फूलना या चक्कर आना
- दिल की धड़कन का तेज होना
- सिरदर्द रहना
- बालों का झड़ना

भूमिका निभाते हैं।

आयरन- आयरन, हीमोग्लोबिन बनाने के लिए बेहद जरूरी है। हीमोग्लोबिन शरीर के सभी हिस्सों में ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। आयरन की कमी से शरीर में सही मात्रा में हीमोग्लोबिन नहीं बन पाता, जिससे एनीमिया हो जाता है। एनीमिया की स्थिति में शरीर के सभी अंगों तक सही मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती। इस कारण शरीर गर्मी पैदा करने में असमर्थ रहता है और व्यक्ति को हमेशा ठंड लगने की शिकायत रहती है, खासकर हाथ और पैरों में।

विटामिन-बी12- विटामिन-बी12 भी रेड ब्लड सेल्स बनाने और नर्वस सिस्टम के सही ढंग से काम करने के लिए जिम्मेदार है। बी12 की कमी से भी एक तरह का एनीमिया हो जाता है, जिसे मेगालोब्लास्टिक एनीमिया कहते हैं। इस स्थिति में शरीर में बनने वाले रेड ब्लड सेल्स बड़े और कमजोर हो जाते हैं, जो शरीर में ऑक्सीजन ठीक से नहीं पहुंचा पाते। इसके कारण शरीर का मेटाबॉलिज्म प्रभावित होता है और शरीर पर्याप्त गर्मी पैदा नहीं कर पाता।

नियमित रूप से करें जांच

अगर आपको लगातार ठंड लगने और थकान की समस्या बनी रहती है, तो एक बार डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। एक साधारण ब्लड टेस्ट (CBC) के जरिए आयरन और विटामिन-बी12 के स्तर की जांच की जा सकती है। डॉक्टर की सलाह पर आप सप्लीमेंट्स भी ले सकते हैं।

अंडा उबालने में फट जाता है?

जान लें कितनी देर बाद गैस करनी है बंद

अंडा उबालना आसान लगता है, लेकिन कई बार हल्की-सी गलती अंडे को फटने पर मजबूर कर देती है. इससे न सिर्फ अंडे का शेप बिगड़ता है, बल्कि गंदगी भी फैल जाती है. सबसे आम वजह है तेज आंच, ठंडे पानी में अचानक गर्माहट, या ज्यादा देर तक उबालना. लेकिन अगर सही तरीका अपना लिया जाए, तो अंडा बिल्कुल परफेक्ट तरीके से उबलता है, बिना फटे और बिना ओवरकुक हुए. आज हम आपको बताते हैं कि अंडा कितनी देर उबालना चाहिए, गैस कब बंद करनी है और कौन-सी टिप्स अपनाने से अंडा हमेशा स्मूद और साफ उबलकर तैयार होता है.

सबसे पहले बात करते हैं सही शुरुआत की. अंडे उबालने के लिए हमेशा नॉर्मल रूम टेंपरेचर वाले अंडे लें, क्योंकि फ्रिज से निकला बहुत ठंडा अंडा सीधे गर्म पानी में डालने से फट सकता है. एक गहरी पैन में अंडों को एक लेयर में रखें और उन पर इतना पानी डालें कि वह पूरी तरह डूब जाएं. अब गैस ऑन करें और फ्लेम को मीडियम रखें. तेज आंच अंडे को अंदर से झटका देकर फोड़ देती है, जबकि मीडियम आंच धीरे-धीरे तापमान बढ़ाती है, जिससे अंडा सुरक्षित रहता है. जैसे ही पानी में छोटे-छोटे बुलबुले दिखने लगें, मतलब पानी उबलने ही वाला है, यही परफेक्ट टाइम है जब आपको टाइमिंग शुरू करनी है.

अब आता है सबसे जरूरी सवाल, गैस कितनी देर बाद बंद

करनी है. जैसे ही पानी पूरी तरह उबलने लगे, यानी रॉलिंग बॉयल आ जाए, आप अंडे की जरूरत के हिसाब से टाइम सेट करें. अगर आपको सॉफ्ट बॉयल अंडा चाहिए तो 6–7 मिनट, मीडियम बॉयल के लिए 9–10 मिनट और हार्ड बॉयल के लिए 12 मिनट काफी होते हैं. इससे ज्यादा देर उबालने पर अंडे की जर्दी के आसपास हरा-सा रिंग बन जाती है, जो ओवरकुक होने का संकेत है. इस समयिंग को फॉलो करने से अंडे कभी फटते नहीं और परफेक्ट टेक्सचर में तैयार होते हैं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

भीषण हादसा! बाइक में टैंपो ने मारी टक्कर, दवा लेकर लौट रहे पति-पत्नी की मौत

बुलंदशहर. यूपी के बुलंदशहर में एक भीषण हादसे में दो की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि बुलंदशहर के सिकंदराबाद से पत्नी संग बाइक से दवा लेकर लौट रहे लौट रहे कस्बे निवासी राज मिस्त्री का काम करने वाले युवक की टैंपो की टक्कर से मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप घायल पत्नी ने भी देर रात दम तोड़ दिया। हादसे में टैंपो सवार महिला समेत दो लोग घायल हो गए। चालक टैंपो छोड़कर मौके से फरार हो गया। मामले में मिली जानकारी के अनुसार कस्बे के लौहारों के मौहल्ला निवासी इरफान 42 वर्ष पुत्र वहीद खां अपनी पत्नी समीना के साथ बुधवार देर शाम सिकंदराबाद बाइक से सिकंदराबाद से लौट रहा था। जैसे ही बाइक चांगौली मोड़ के नजदीक पहुंचीं, तभी ककोड़ की तरफ से तेज़ गति से जा रहे टैंपो का पहिया निकलने से टैंपो अनियंत्रित हो गया। जिससे बाइक की टक्कर हो गयी। टक्कर लगने से इरफान की मौके पर ही मौत हो गई.

बाइक पर चलते-चलते सीओडी कर्मी की मौत

आगरा. यूपी में आगरा के सेंट्रल ऑर्डिनेंस डिपो (सीओडी) के सीनियर मेटेरियल असिस्टेंट (एसएमए) की बाइक पर चलते-चलते अचानक मौत हो गई। अचेत होकर गिरने के बाद परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अजय गौतम (42) सदर के ताल सेमरी की गणेश विहार कॉलोनी में रहते थे। वह मूल रूप से अलीगढ़ के गोंडा के बिरखू गांव के निवासी थे। उनके भाई देवेंद्र गौतम ने बताया अजय सीओडी आगरा में एसएमए पद पर तैनात थे। मंगलवार रात वह ड्यूटी से आने के बाद निजी कार्य से बाइक से बाजार गए थे। रात करीब 10:30 बजे घर लौट रहे थे। घर से कुछ दूर पहले अचानक बाइक चलाते हुए अचेत होकर गिर पड़े। देवेंद्र गौतम ने हार्ट अटैक से भाई की मौत होने की आशंका जताई है।

पॉक्सो में दोषी सपा नेता को 10 साल की सजा

झांसी. झांसी में सपा नेता अतर सिंह को बुधवार को अदालत ने 10 साल कैद की सजा सुनाई है। उस पर नाबालिग से अश्लीलता और मारपीट कर कपड़े फाड़ने का आरोप सिद्ध हुआ है। उसने नाबालिग को होटल ले जाकर उसके साथ अश्लीलता की थी। दोष सिद्ध होने पर विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) मोहम्मद नेयाज अहमद अंसारी की अदालत ने उसे 10 साल की सजा सुनाई। 66 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

अप्रैल 2026 से 7 दिन में अपडेट होगा क्रेडिट स्कोर

- RBI ने ड्राफ्ट गाइडलाइंस जारी की
- गलत रिपोर्ट देने पर क्रेडिट कंपनियों पर जुर्माना भी

नई दिल्ली. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने देश के ऋण (लोन) ढांचे को मजबूत करने के लिए 26 नवंबर को ड्राफ्ट गाइडलाइंस जारी की। ये 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगी।

अब क्रेडिट स्कोर के अपडेट होने के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सभी क्रेडिट इन्फॉर्मेशन कंपनियों (CICS) को हर 7 दिन में क्रेडिट स्कोर अपडेट करना होगा। अभी स्कोर 15 दिन में एक बार अपडेट होता है।

CICS को हर महीने 7, 14, 21 और 28 तारीख को और महीने के आखिरी दिन तक का डेटा अपडेट रखना होगा। बैंक हर महीने की 3 तारीख तक डेटा भेजेंगे।

इन 4 तारीखों पर नया बदलाव यानी इंक्रीमेंटल डेटा भेजा जाएगा। जैसे- अकाउंट खुलना, बंद होना, क्रेडिट स्कोर प्रभावित करने वाला बदलाव या लोन स्टेटस में बदलाव जैसा डेटा शामिल है।

ऐसे समझें : बदलाव से 4 सीधे फायदे

- लोन या क्रेडिट कार्ड क्लोजर की सूचना बैंक को उसी दिन सिबिल को करनी होगी। पहले हफ्तों-महीनों लगते थे। ग्राहक को लोन मिलने में दिक्कत होती थी।
- बैंक और एनबीएफसी ग्राहक की परमिशन के बिना क्रेडिट रिपोर्ट एक्सेस नहीं कर सकते। इससे सिबिल स्कोर अनावश्यक नहीं गिरेगा। क्रेडिट प्रोफाइल सुरक्षित रहेगी।
- गलत रिपोर्टिंग, सुधार में देरी या बिना अनुमति क्रेडिट जांच पर भारी जुर्माना तय किया है। इससे बैंक क्रेडिट डेटा को अधिक सटीक और अपडेटेड रखने को मजबूर होंगे और ग्राहकों को तेजी से स्कोर सुधार मिलेगा।
- बैंकों को ताजा क्रेडिट रिपोर्ट मिलेगी, जिससे जोखिम का बेहतर आकलन होगा। लोन की कीमत यानी ब्याज दर, अमाउंट और टेन्योर सही तरीके से तय कर पाएंगे।

7 राज्यों में 25 बीएलओ की मौत

- मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा 9 लोगों की जान गई
- UP-गुजरात में 4-4 मौतें

नई दिल्ली. देश के 12 राज्यों में 51 करोड़ से अधिक मतदाताओं के घर दस्तक दे रहे 5.32 लाख से अधिक बीएलओ पर काम के दबाव का आरोप गहराता जा रहा है। SIR के 22 दिनों में 7 राज्यों में 25 बीएलओ की मौत ने चिंता बढ़ा दी है।

वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने केवल पश्चिम बंगाल में 34 लोगों की मौत का दावा किया। इन मौतों पर सियासत जोरों पर है। दूसरी ओर निर्वाचन आयोग जिला व राज्यों की रिपोर्ट के इंतजार में है। आयोग के सूत्रों का कहना है कि अब तक किसी काम के दबाव से किसी मौत की पुष्टि नहीं हुई है।

पश्चिम बंगाल के मंत्री अरुप बिस्वास ने कहा है कि SIR के चलते राज्य में 34 लोगों ने जान दी। सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि इसका उद्देश्य 'पीछे के दरवाजे से एनआरसी लागू करना' और डर पैदा करना है।

वहीं भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि TMC के दबाव में फर्जी और संदिग्ध नाम जोड़े जा रहे हैं।

आयोग ध्यान दे तो थोड़ी आसानी हो सकती है

पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ओपी रावत ने कहा- आयोग ध्यान दे तो थोड़ी आसानी हो सकती है। जैसे, मध्य प्रदेश में बीएलओ को एप में कैप्चा भरना समस्या दे रहा था। उसे हटाने से काम आसान हो गया। बड़ी संख्या में फॉर्म अपलोड करने से सर्वर बैठ जाता है। ऐसे में फॉर्म अपलोड करने का काम रात में करके इसे ठीक किया गया। टीचर्स पर स्कूलों में दिसंबर में कोर्स पूरा कराने का भी दबाव है। डेडलाइन सिर पर है। बीएलओ अपने स्तर पर समाधान निकाल रहे हैं, जबकि यह काम सिस्टम को करना चाहिए था।

हॉन्गकॉन्ग में आग से 55 की मौत, 279 घायल

- 35 मंजिल वाली 8 बिल्डिंग में बांस के मचान से आग फैली

हॉन्गकॉन्ग में 'ताई पो' नाम के जिलो में बुधवार को एक बड़े रिहायशी कॉम्प्लेक्स में आग लग गई । इस हादसे में अब तक 55 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 279 घायल हैं। ये कॉम्प्लेक्स कुल आठ इमारतों का था, जिनमें हर इमारत 35 मंजिलों की थी। इसमें करीब दो हजार अपार्टमेंट थे। वांग फुक कोर्ट के ये टावर बांस की मचान से ढंके हुए थे।

आग की शुरुआत इमारतों के बाहर लगी इन्हीं मचानों से हुई, जिस पर मरम्मत का काम चल रहा था। तेज हवा और जलते हुए मलबे की वजह से लपटें एक इमारत से दूसरी इमारत तक फैलती चली गईं।

क्रिकेट बेटिंग से कमाया हर मुनाफा अपराध

दिल्ली हाई कोर्ट बोला- यह जहरीले पेड़ की तरह, इसका फल कैसे वैध

- PMLA में बेटिंग अपराध नहीं

नई दिल्ली. दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बेटिंग रैकेट से जुड़ी 6 याचिकाएं खारिज करते हुए कहा कि नेटवर्क अपराध पर खड़ा था। इसलिए इससे कमाया हर मुनाफा अपराध है।

दरअसल, क्रिकेट बेटिंग से जुड़े मुकेश कुमार, उमेश चौटालिया, नरेश बंसल, घनश्याम भाई पटेल और अन्य ने याचिका लगाई थी। कहा था- ईडी के जारी अस्थायी अटैचमेंट और नोटिस रद्द किए जाएं। क्रिकेट बेटिंग PMLA में अपराध नहीं है। उनकी संपत्ति गैर-कानूनी आय नहीं मान सकते।

हाईकोर्ट ने फैसले में कहा- दलीलें खारिज की जाती हैं। रैकेट की बुनियाद अपराध पर टिकी थी। डिजिटल फर्जीवाड़े, फर्जी केवाईसी, हवाला चेन और बिना दस्तावेज वाले सुपर मास्टर लॉगिन आईडी मुख्य अपराध की बुनियाद हैं। यह सब जहरीले पेड़ की तरह है, जब पेड़ जहरीला हो तो फल कैसे वैध हो सकता है।

कोर्ट ने कहा कि ईडी की कार्रवाई ठोस सबूतों पर थी। पूरा रैकेट धोखाधड़ी और अवैध नेटवर्क पर आधारित था। इसीलिए संपत्ति अटैच करना और नोटिस जारी करना सही माना गया। कोर्ट ने साफ कहा कि PMLA की एडजुडिकेटिंग अथॉरिटी एक सदस्य के साथ भी वैध है। ईडी की अटैचमेंट की जांच करने वाली इस अथॉरिटी को सुनवाई या आदेश के लिए तीन सदस्यों के पूर्ण पैनल की जरूरत नहीं। एक सदस्य है तो वह भी नोटिस, सुनवाई और आदेश पारित कर सकता है। नोटिस भेजने के लिए पहले संपत्ति जब्त होना जरूरी नहीं। नोटिस देना सुनवाई शुरू करने का पहला कदम है। संपत्ति की अटैचमेंट अलग कदम है। नोटिस तब भी जारी हो सकता है, जब अटैचमेंट न हुई हो। अटैचमेंट तब भी हो सकती है जब नोटिस बाद में आए।

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के 4 गुर्गे गिरफ्तार

पुलिस ने पंजाब के साहिबजादा अजीत सिंह नगर (एसएएस नगर) में मुठभेड़ के बाद चार गुर्गों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सभी आरोपी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े हैं और गैंगस्टर ने इन्हें चंडीगढ़ ट्राइसिटी क्षेत्र और पटियाला में लक्षित हमले करने का काम सौंपा था। पुलिस ने बताया कि उनके पास से सात .32 कैलिबर की पिस्तौल और 70 कारतूस बरामद की गई है। गिरफ्तार लोगों की पहचान हरविंदर सिंह उर्फ भोला उर्फ हनी, लखविंदर सिंह, मोहम्मद समीर और रोहित शर्मा के रूप में हुई है। सभी पटियाला के राजपुरा के निवासी हैं।

उन्हें कुर्सी की कीमत पता नहीं है...

कर्नाटक कांग्रेस में तनातनी के बीच बोले डिप्टी सीएम शिवकुमार

बेंगलूरु. कर्नाटक कांग्रेस में जारी कलह के फिलहाल थमने के आसार नहीं हैं। पार्टी आलाकमान से संभावित आगामी मुलाकात के बीच उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार बड़े सवाल उठाते नजर आ रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कह दिया कि शब्दों की ताकत ही दुनिया की बड़ी ताकत होती है। खास बात है कि इससे पहले वह सीक्रेट डील का भी जिक्र कर चुके हैं, लेकिन उसपर खुलकर बात नहीं की थी। कहा जाता है कि कांग्रेस ने मौजूदा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच ढाई साल सीएम बनने का समझौता किया था।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, शिवकुमार ने कहा, 'जज हो, राष्ट्रपति हो या मुझे मिलाकर कोई और भी हो। सभी को कथनी को करनी में बदलना होगा। शब्द की ताकत दुनिया की ताकत है। जो पीछे खड़े हैं, उन्हें कुर्सी की कीमत का पता नहीं है। कुर्सी का क्या मूल्य और महत्व है।' माना जा रहा है कि इसके जरिए शिवकुमार ने कथित तौर पर पार्टी आलाकमान पर ही निशाना साधा है।

रिपोर्ट में शिवकुमार गुट के सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि 18 मई 2023 को पावर शेयरिंग डील पर मुहर लगाई गई थी। उन्होंने कहा कि डील लंबी चर्चा के बाद हुई थी, जिसमें सिद्धारमैया, शिवकुमार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला और डिप्टी सीएम के भाई सांसद डीके सुरेश शामिल रहे थे।

पहले शिवकुमार चाहते थे सीएम बनना?

रिपोर्ट के अनुसार, शिवकुमार ने शुरुआत के ढाई साल सीएम बनने की इच्छा जताई थी, लेकिन सिद्धारमैया ने वरिष्ठ होने का हवाला देकर इनकार कर दिया था। बाद में वह सीएम बने। अब सिद्धारमैया कैम्प का कहना है कि जब तक पार्टी आलाकमान कोई मजबूत कारण नहीं देता है, तब तक सिद्धारमैया पद से नहीं हटेंगे।

'अश्लील कंटेंट की जिम्मेदारी किसी को लेनी होगी'

- सुप्रीम कोर्ट बोला- गंदा कंटेंट रोकने तक लाखों लोग देख लेते हैं;
- सरकार 4 हफ्ते में रेगुलेशन बनाए

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सोशल मीडिया के कंटेंट पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया पर डाले जाने वाले एडल्ट कंटेंट के लिए किसी न किसी को जिम्मेदार लेनी ही होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने आज यह टिप्पणी इंडियाज गॉट लेटेंट से जुड़े

केस में की। इस शो के आपत्तिजनक कंटेंट पर विवाद होने के बाद रणवीर अलाहबादिया और समय रैना जैसे कई यूट्यूबर्स को सुर्खियों में ला दिया था।

कोर्ट ने कहा कि जब तक गंदा (अश्लील) कंटेंट रोका जाता है, तब तक लाखों लोग देख लेते हैं। केंद्र सरकार इस बारे में 4 हफ्तों में नियम बनाए।

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिली

- 2030 में अहमदाबाद में होंगे गेम्स
- ओलिंपिक 2036 की दावेदारी मजबूत होगी

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी मिल गई है। बुधवार को स्कॉटलैंड के ग्लासगो में कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स एग्जीक्यूटिव बोर्ड की बैठक के बाद अहमदाबाद को होस्ट सिटी घोषित किया गया।

भारत 15 साल के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स (CWG) की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में इन गेम्स का आयोजन किया गया था। तब भारतीय खिलाड़ियों ने 38 गोल्ड समेत 101 मेडल जीते थे।

20 साल बाद भारत में कोई मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट होगा

20 साल के बाद भारत में कोई मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट होने जा रहा है। इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन किया गया था।

CWG के अलावा, भारत 1951 और 1982 एशियन गेम्स की मेजबानी भी कर चुका है। 2003 में हैदराबाद में एफ्रो-एशियन कप का आयोजन भी हुआ था।

क्यों खास है CWG की मेजबानी?

कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन किसी भी देश के लिए सिर्फ खेल आयोजन नहीं, बल्कि उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि, विकास क्षमता, इन्फ्रास्ट्रक्चर और विजन का भी प्रतीक माना जाता है। अब तक ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, कनाडा और न्यूजीलैंड सहित कुल 9 देश इसकी मेजबानी कर चुके हैं। सबसे ज्यादा 5 बार मेजबानी का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम है।

ओलिंपिक-2036 की दावेदारी मजबूत होगी

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी मिलने से ओलिंपिक गेम्स 2036 की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी मजबूत होगी। भारत 2036 के ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी की तैयारी भी कर रहा है। PM नरेंद्र मोदी ने लाल किले की से इसका ऐलान किया था। पिछले साल नवंबर में भारत ने ओलिंपिक गेम्स-2036 की मेजबानी हासिल करने के लिए दावेदारी पेश की थी। 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में 72 देशों के 5000 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया था। भारत ने कुल 61 मेडल जीते 22 गोल्ड, 16 सिल्वर और 23 ब्रॉन्ज।

व्हाइट हाउस के पास फायरिंग, 2 घायल

- अफगानिस्तानी हमलावर गिरफ्तार
- ट्रम्प बोले- यह आतंकी हमला
- अफगान शरणार्थियों के आने पर रोक लगाई

वाशिंगटन. अमेरिका में बुधवार को व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड्स के 2 जवानों को गोली मार दी गई। इस मामले में एक अफगान शरणार्थी को हिरासत में लिया गया है।

FBI अधिकारियों के मुताबिक, हमले में शामिल संदिग्ध की पहचान 29 साल के रहमानुल्लाह लाकनवाल के तौर पर हुई है। वह अगस्त 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिका आया था। उसने 2024 में शरणार्थी के दर्जे के लिए अप्लाई किया था और उसे अप्रैल 2025 में मंजूरी मिली थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे आतंकी घटना करार दिया है। उन्होंने कहा कि इसमें जो भी शामिल हैं, उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। उन्होंने अमेरिका में अफगान शरणार्थियों की तुरंत एंट्री रोकने का ऐलान किया है।

हमलावर ने महिला गार्ड के सिर में गोली मारी

यह हमला फैरागट वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास हुआ, जहां लाकनवाल कुछ समय तक इंतजार करता रहा और फिर अचानक अमेरिकी समयानुसार दोपहर 2:15 बजे के आसपास उसने गोलीबारी शुरू कर दी। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, उसने पहले एक महिला गार्ड को सीने में गोली मारी और फिर सिर में। इसके बाद उसने दूसरे गार्ड पर फायर किया।

उसी समय पास ही मौजूद तीसरे गार्ड ने लाकनवाल पर चार गोलियां चलाई, जिसके बाद हमलावर को काबू कर लिया गया।

10 साल अफगान सेना में काम कर चुका है आरोपी

NBC न्यूज के मुताबिक लाकनवाल के एक रिश्तेदार ने बताया कि वह अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत में पला-बढ़ा था। वह 4 साल पहले अमेरिका आया था और वॉशिंगटन के बेलिंगहैम शहर में अपनी पत्नी और पांच बच्चों के साथ रहता था।

रिश्तेदार ने बताया कि लाकनवाल अमेरिका आने से पहले 10 साल तक अफगान सेना में काम कर चुका था और इस दौरान उसने अमेरिकी स्पेशल फोर्सेज के साथ मिलकर ऑपरेशन भी किए थे।

रिश्तेदार के मुताबिक, लाकनवाल अपनी मिलिट्री सर्विस के दौरान कुछ समय कंधार के एक बेस पर तैनात रहा था। इस दौरान उसने अमेरिकी सैनिकों की मदद की थी। रिश्तेदार ने कहा कि उनकी लाकनवाल से कई महीनों से बात नहीं हुई थी। आखिरी बार जब बात हुई थी, तब लाकनवाल अमेजन के लिए काम कर रहा था।

इस साल चारधाम में पहुंचे 50 लाख श्रद्धालु

- 209 दिन चली यात्रा
- केदारनाथ में रिकॉर्ड टूटा

देहरादून. उत्तराखंड के चमोली में स्थित बद्रीनाथ धाम के कपाट बंद होते ही इस साल की चारधाम यात्रा भी संपन्न हो गई है। इस साल 50 लाख से ज्यादा श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर आए। यात्रा अक्षय तृतीया के दिन, यानी 30 अप्रैल 2025 को यमुनोत्री और गंगोत्री के कपाट खुलने से शुरू हुई थी।

पूरे 6 महीनों तक उत्तराखंड की वादियां 'जय बद्री-विशाल' और 'हर-हर महादेव' की गूंज से भरी रहीं। पिछले साल की तुलना में इस बार श्रद्धालुओं की संख्या में बड़ा उछाल देखने को मिला। जहां 2024 में केदारनाथ और बद्रीनाथ में दर्शन करने वालों ने रिकॉर्ड बनाए थे, वहीं 2025 ने यह रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक, केदारनाथ में 2024 में 16 लाख 52 हजार 76 लोग पहुंचे और इस साल 17 लाख 68 हजार 795 से ज्यादा लोगों ने बाबा केदार के दर्शन किए। वहीं बद्रीनाथ में 2024 में 14 लाख 35 हजार 341 और इस साल 16 लाख 60 हजार 224 लोगों ने बद्री विशाल के दर्शन किए।

इसके अलावा यमुनोत्री में 2024 में 7 लाख और इस साल 6 लाख 44 हजार 505 से ज्यादा श्रद्धालु धाम पहुंचे। वहीं गंगोत्री में 2024 में 7 लाख और 2025 में 7 लाख 57 हजार 10 से ज्यादा लोगों ने दर्शन किए।

दिल्ली प्रदूषण, CJI सूर्यकांत बोले-

हमारे पास जादू की छड़ी नहीं

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत ने गुरुवार को दिल्ली-NCR में बढ़ते वायु प्रदूषण पर सुनवाई की। उन्होंने कहा कि हमारे पास कोई जादू की छड़ी नहीं है। मुझे बताइए कि हम क्या आदेश दे सकते हैं, जिससे हवा तुरंत साफ हो जाए।

CJI ने कहा- दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) के बिगड़ने के कई कारण हैं। इस क्षेत्र के एक्सपर्ट्स और साइंटिस्ट्स ही इसका हल निकाल सकते हैं। समस्या हम सबको पता है। समाधान ढूंढने की जरूरत है। प्रदूषण का कोई एक कारण है, यह सोचना बहुत बड़ी गलती हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 1 दिसंबर की तारीख तय की। CJI के साथ जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा- सोमवार को देखते हैं कि मामले पर हम क्या कर सकते हैं।

सुबह एक घंटे टहला, प्रदूषण से तबीयत बिगड़ी

इससे पहले बुधवार को CJI सूर्य कांत ने SIR मामले पर सुनवाई के दौरान दिल्ली प्रदूषण को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा- मैं मंगलवार शाम को एक घंटा टहलने गया। प्रदूषण की वजह से मेरी तबीयत बिगड़ गई।

कांग्रेस नेता का राहुल गांधी पर सवाल, बोले-

प्रियंका संभालें कमान; वह दादी इंदिरा के जैसी हैं

नई दिल्ली. कांग्रेस के सीनियर नेता राशिद अल्वी ने पार्टी के हालात पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी की स्थिति कमजोर है। अल्वी ने कहा है कि कांग्रेस संगठन का हाल दयनीय हो गया है और इसके लिए सीधे तौर पर कांग्रेस लीडरशिप जिम्मेदार है। अल्वी ने कहा है कि कांग्रेस संगठन का हाल दयनीय हो गया है और इसके लिए सीधे तौर पर कांग्रेस लीडरशिप जिम्मेदार है। अल्वी के मुताबिक चुनावी मेहनत और तैयारी के मामले में भाजपा से मुकाबला करना तो दूर, कांग्रेस कहीं ठहर ही नहीं पा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ज़मीन पर काम कर रही है, लेकिन कांग्रेस की मेहनत कहीं दिखाई नहीं देती।

किनारे लग गए हैं सीनियर नेता, कर्नाटक की हालत चिंताजनक

उन्होंने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि कांग्रेस पार्टी के अंदर जो सीनियर लीडर्स हैं, उन्हें लगता है कि उन्हें जिम्मेदारी नहीं दी जा रही है। वे महसूस करते हैं कि उनकी तरफ से कांग्रेस को मजबूत किया जा सकता है। आज सबसे ज्यादा जरूरी है कि हम उन लोगों की नाराजगी दूर करें, जिन लोगों को किनारे लगाया गया है। उन्हें मुख्यधारा में लाना चाहिए। यही नहीं उन्होंने कर्नाटक में सीएम की कुर्सी को लेकर चल रही रस्साकशी को भी खत्म करने की अपील की।

प्रियंका संभालें बागडोर, दिखती है इंदिरा गांधी की छवि

राशिद अल्वी ने कांग्रेस हाईकमान की कार्यशैली पर भी तीखा सवाल किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से मुलाकात करना कांग्रेस नेताओं के लिए भी आसान नहीं है, जबकि इंदिरा गांधी से तो आसानी से मुलाकात हो जाती थी। अल्वी ने सुझाव दिया कि प्रियंका गांधी को पार्टी की बागडोर संभालनी चाहिए क्योंकि प्रियंका गांधी में इंदिरा गांधी की छवि दिखती है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आज हाशिये पर हैं। इसके लिए भी पार्टी लीडरशिप ही जिम्मेदार है। कांग्रेस के भीतर उठी इस आवाज़ ने संगठनात्मक हालत और नेतृत्व की शैली पर एक बार फिर बहस छेड़ दी है।

संक्षेप...

डोंबिवली में 6 दिसंबर से राम कथा का आयोजन

डोंबिवली. डोंबिवली के रिजेंसी ग्राउंड, दावडी में राम कथा का आयोजन हिंदी भाषी जनता परिषद (महिला विभाग) और समाज के प्रबुद्ध जनों ने मिलकर किया है. इसका शुभारंभ 06 दिसंबर शनिवार को होगा और समापन 14 दिसंबर रविवार को होगा. शाम 6 से रात 9 बजे तक पंडित विष्णुकांत शास्त्री जी मर्यादा पुरुषोत्तम की महिमा का वर्णन अपने मुखारविंद से करेंगे, जिसका लाभ श्रोतागण उठा सकते हैं. मर्यादा पुरुषोत्तम की महिमा का वर्णन करते हुए पंडित विष्णुकांत शास्त्री जी जिस भाव से रामकथा सुनाते हैं, वह कई बार संतों और विद्वानों को भी मंत्रमुग्ध कर देता है। पूज्य मुरारी बापू ने भी उनके ज्ञान और सरल वाणी की प्रशंसा की थी। उसी सौम्य और पावन शैली में शास्त्री जी इस बार भी नौ दिवसीय रामकथा में भक्तों को रामनाम में डुबो देंगे।

मनपा वोटर लिस्ट पर आपत्ति दर्ज कराने की समय सीमा बढ़ी

- विपक्षी पार्टियों की मांग मानी गई
- 3 दिसंबर तक दर्ज करा सकते हैं आपत्ति

मुंबई. मुंबई मनपा चुनाव के लिए तैयार की गई ड्राफ्ट लिस्ट में कई गड़बड़ियां सामने आने के बाद, राज्य चुनाव आयोग ने आखिरकार विपक्षी पार्टियों की इस पर आपत्तियां और सुझाव देने के लिए और समय देने की मांग मान ली है। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर आपत्तियां और सुझाव दर्ज कराने का समय छह दिन और बढ़ा दिया गया है।

राज्य चुनाव आयोग ने बुधवार को मुंबई समेत सभी 29 मनपा प्रशासनों को वोटर लिस्ट में बदलाव के लिए नया शेड्यूल दिया। इसके मुताबिक, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर आपत्तियां और सुझाव दर्ज कराने की डेडलाइन 27 नवंबर के बजाय 3 दिसंबर तक होगी। दर्ज की गई आपत्तियों का निपटारा करने के बाद 9 दिसंबर को फाइनल वोटर लिस्ट जारी की जाएगी। पोलिंग स्टेशनों की लिस्ट 14 दिसंबर को जारी की जाएगी, जबकि पोलिंग स्टेशन के हिसाब से वोटर लिस्ट 22 दिसंबर को जारी की जाएगी।

राज्य में मुंबई समेत 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव शुरू हो रहे हैं। महानगर पालिकाओं ने विधानसभा चुनाव की लिस्ट के आधार पर वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी किया और इस लिस्ट में भारी गड़बड़ियां सामने आईं। डुप्लीकेट वोटरों की संख्या लाखों में होने की शिकायत करते हुए शिवसेना ठाकरे गुट, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना, कांग्रेस, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी वगैरह ने राज्य चुनाव आयोग को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया था। विपक्ष के कई वार्डों की बिल्डिंगों को दूसरे वार्डों में मिला दिया गया है। कुछ जाति, धर्म और भाषा के आधार पर लिस्ट में बदलाव करके उसे दूसरे वार्ड में डालने के भी मामले सामने आए थे। इसलिए, विपक्षी पार्टी ने वोटर लिस्ट पर आपत्तियां और सुझाव देने के लिए 15 दिन का समय मांगा था।

उल्हासनगर में 'वैदिक होमात्मक महायज्ञ'

- भारतभर के 200 से ज़्यादा संत मौजूद
- 26 से 30 नवंबर तक पांच दिन के महायज्ञ से आध्यात्मिकता की दिव्य ज्योति जगी
- मंत्रोच्चारण, हवन और भक्ति का आध्यात्मिक समारोह

उल्हासनगर. उल्हासनगर की आध्यात्मिक धरती पर पांच दिन का दिव्य महायज्ञ हो रहा है। कैंप-5 दहशरा मैदान इस समय वैदिक मंत्रों के उच्चारण, होमग्नि की पवित्र ज्योति और भक्ति की अपार लहरों के कारण सचमुच आध्यात्मिक ऊर्जा से गुलजार है। स्वामी ओंकारानंद आश्रम ट्रस्ट द्वारा 26 से 30 नवंबर तक आयोजित भक्ति और आध्यात्मिकता का एक भव्य समारोह 'वैदिक होमात्मक महायज्ञ' उल्हासनगर निवासियों के मन में नई ऊर्जा भर रहा है। पूरे भारत से 200 से ज़्यादा संत और महात्मा इस समारोह में शामिल हुए हैं। स्वामी ओंकारानंद आश्रम ट्रस्ट और भक्तों के मिले-जुले प्रयासों से बना यह आध्यात्मिक उत्सव आजकल उल्हासनगर में धार्मिक उत्साह फैला रहा है। पूरा भक्ति समारोह संगठन के अध्यक्ष राजेश सुखरानी, डॉ. विलास चौधरी, संतोष मोटवानी, पुरुषोत्तम चिमनानी, मुकेश पमनानी, राजा रोचलानी, प्रताप टहलरमानी और अन्य कमेटी सदस्यों के मार्गदर्शन में बहुत ही अनुशासित और भक्तिपूर्ण माहौल में हो रहा है। महायज्ञ 26 नवंबर को सुबह 4 बजे रुद्राभिषेक और ब्राह्मण पूजा के साथ शुरू हुआ। दोपहर में जैसे ही मंडप में प्रवेश, अग्नि मंथन और स्वाहाकार की रस्में हुईं, माहौल मंत्रों के जयकारों से भर गया। 27 से 29 नवंबर तक सुबह 8 से 11 बजे और दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक स्वाहाकार की रस्में की जा रही हैं, और हर शाम प्रवचन का प्रोग्राम होगा। आखिरी दिन, यानी 30 नवंबर को वेद भगवान की शोभायात्रा, महापूर्णाहुति और एक खास प्रवचन का आयोजन किया गया है और यह दिन भक्तों के लिए एक 'खास आध्यात्मिक उत्सव' होगा। महायज्ञ के हर दिन, सभी मौजूद लोगों के लिए संत-महंत ब्रह्म भोजन और महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया है। ऑर्गनाइज़िंग कमिटी ने स्थानीय लोगों और भक्तों से अपील की है कि वे स्पिरिचुअलिटी के इस सागर में हिस्सा लें।

अंबरनाथ प्रहार पक्ष ने भाजपा को दिया समर्थन

- अध्यक्ष आलम खान ने की घोषणा
- भाजपा की स्थिति मजबूत

अंबरनाथ. अंबरनाथ प्रहार जनशक्ति पक्ष ने नपा चुनाव में भाजपा को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की है. प्रचार के अंतिम दौर में भाजपा को अनेक संगठनों द्वारा समर्थन देने से इस चुनाव में भाजपा के नगराध्यक्ष पद की उम्मीदवार तेजश्री करंजुले की स्थिति एकदम मजबूत हो गई है. निर्दलीय नगराध्यक्ष की उम्मीदवार कांबले जयश्री एकनाथ ने भी भाजपा का नगराध्यक्ष उम्मीदवार तेजश्री करंजुले को समर्थन देने की घोषणा बुधवार को पत्रकार परिषद में किया है. गुरुवार को प्रहार जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष आलम खान ने भाजपा के वरिष्ठ नेता गुलाबराव करंजुले पाटिल से मुलाकात करके ये घोषणा की है कि उनके पक्ष के कार्यकर्ता भाजपा को वोट दिलाने के लिए भरपूर प्रयत्न करेंगे एवं भाजपा की नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले को वोट देकर सफल बनाएंगे. खान ने बताया कि भाजपा ने चुनाव में जो नारा दिया है. 'भयमुक्त अंबरनाथ और भ्रष्टाचार मुक्त अंबरनाथ' यही नारा उनके प्रहार पक्ष ने भी दिया है. इसलिए उन्होंने भाजपा को समर्थन देने का ऐलान किया है. दो दिनों पूर्व ही आरपीआई (आ.) ने भी भाजपा के साथ गठबंधन करने और अब प्रहार पक्ष द्वारा भाजपा को समर्थन देने से अंबरनाथ नपा चुनाव में भाजपा का स्थिति मजबूत हो गई है.

सूटकेस में मिली महिला की हत्या की गुत्थी सुलझी

- देसाई गांव निवासी आरोपी गिरफ्तार
- 50 साल के अधेड़ ने गला घोंटकर की थी हत्या

कल्याण. देसाई क्रीक के किनारे एक सूटकेस में महिला की लाश मिलने के एक दिन बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान 22 वर्षीय प्रियंका के रूप में हुई है, जो ठाणे के देसाईगांव निवासी 50 वर्षीय विनोद श्रीनिवास विश्वकर्मा के साथ रहती थी। 21 नवंबर को दोनों के बीच झगड़ा होने के कारण आरोपी ने गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी और शव को पुल के नीचे फेंक दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आरोपी विनोद एक कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करता है और उसका परिवार उत्तर प्रदेश में उसके पैतृक स्थान पर रहता है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने कबूल किया कि वह पांच साल पहले ठाणे रेलवे स्टेशन पर महिला से मिला था और उसे अपने घर ले आया था, जिसके बाद से वह उसके साथ रह रही थी। 21 नवंबर की रात को दोनों के बीच झगड़ा हुआ और गुस्से में आकर आरोपी ने गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। सबूत मिटाने की नीयत से उसने शव को एक दिन तक अपने घर के कमरे में ट्रॉली बैग में रखा। इसके बाद मौका मिलते ही आरोपी ने शव से भरा ट्रॉली बैग उठाया और पुल से नीचे फेंक दिया।

यह घटना 24 नवंबर को तब सामने आई जब लोगों ने शव से भरा ट्रॉली बैग देखा। लाश सूटकेस से थोड़ी सी बाहर निकली हुई थी। इसके बाद लोगों ने घटना के बारे में पुलिस को सूचित किया। शिलदाईघर पुलिस स्टेशन की एक टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के सीनियर अधिकारी श्रीराम पोल ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला कि महिला की गला घोंटकर हत्या की गई थी और शव को क्रीक में फेकने के लिए सूटकेस में भरा गया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

भिवंडी मनपा में मनाया गया संविधान दिवस

भिवंडी. भिवंडी निजामपुर मनपा के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर के निर्देशानुसार मनपा मुख्यालय के भूतल पर संविधान दिवस मनाया गया. इस मौके पर अपर आयुक्त विट्ठल डाके एवं पूर्व नगरसेवक विकास निकम के हाथों डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित किया गया.

उसके बाद पुरानी मनपा भवन कार्यालय के सामने स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर सहायक आयुक्त शैलेश दोंदे ने, जबकि प्रभाग समिति क्र. 4 अंजुरफाटा स्थित डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर प्रभाग समिति 4 के ऑफिस सुपरिटेंडेंट अनिल आव्हाड के हाथों माल्यार्पण कर अभिवादन किया गया.

इस मौके पर चीफ अकाउंट्स एंड फाइनेंस ऑफिसर रामप्रसाद सोलुके, डिप्टी कमिश्नर (टैक्स) बालकृष्ण शिरसागर, जॉइंट कमिश्नर (इलेक्शन) अजीत महाडिक, जॉइंट कमिश्नर (टैक्स असेसमेंट) सुधीर गुरव, सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट हेड मिलिंद पलसुले, मार्केट डिपार्टमेंट हेड स्नेहल पुण्यार्थी, गार्डन डिपार्टमेंट हेड नीलेश सांखे, व्हीकल डिपार्टमेंट के हेड शेखर चौधरी, प्रशांत संखे और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के दूसरे ऑफिसर और कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद थे.

एसएसटी महाविद्यालय का मुंबई विश्वविद्यालय अंतर-विभागीय

एथलेटिक प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन

मुंबई. मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर-विभागीय एथलेटिक प्रतियोगिता में एसएसटी महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदकों की झड़ी लगा दी।

प्रतियोगिता में कल्पेश देवरे ने 1500 मीटर और 3000 मीटर स्टीपलचेज़—दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर टीम को मज़बूत शुरुआत दिलाई। त्रिशा नायर ने 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक तथा लंबी कूद में रजत पदक हासिल कर शानदार प्रदर्शन किया। रोशनी जुनघरे ने 1500 मीटर और 800 मीटर में कांस्य पदक जीते और रिले स्पर्धा में भी टीम को पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

काजल प्रजापती ने 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में रजत और 10,000 मीटर में कांस्य पदक जीतकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की। त्रुप्ती भोइर ने 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में स्वर्ण पदक हासिल किया और 4×100 तथा 4×400 रिले दोनों स्पर्धाओं में भी उल्लेखनीय भूमिका निभाई। सुरूर रज़ाक और सपना यादव ने भी 4×100 रिले में रजत और 4×400 रिले में कांस्य पदक जीतकर टीम की विजय में योगदान दिया।

सभी खिलाड़ियों के संयुक्त उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते 4×100 मीटर रिले टीम ने रजत पदक तथा 4×400 मीटर रिले टीम ने कांस्य पदक जीतकर एसएसटी महाविद्यालय की दमदार छाप छोड़ी।

महाविद्यालय के इस सामूहिक और प्रभावी प्रदर्शन की प्रशंसा प्राचार्य, खेल विभाग तथा विश्व विद्याल य अधिकारियों ने की और सभी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। ए स ए स टी महाविद्यालय ने इस प्रतियोगिता के माध्यम से एक बार फिर अपना वर्चस्व साबित किया है। मुंबई विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डॉ. मनोज रेड्डी, एसएसटी महाविद्यालय के संस्थापक-प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी, मार्गदर्शक अविनाश पवार, क्रीड़ा शिक्षक प्रा. राहुल अकुल और प्रा. पुष्कर पवार ने सभी खिलाड़ियों का अभिनंदन किया।

स्पेशल कस्टमर सर्विस कैंप को मिला अच्छा प्रतिसाद

ठाणे. टोरेंट पावर और महावितरण ने 25 नवंबर को शील में अरिहंत ऑफिस और 26 नवंबर को भिवंडी के चाविंद्रा में अर्श ऑफिस में एक स्पेशल कस्टमर सर्विस कैंप लगाया। कस्टमर सर्विस कैंप को कस्टमर्स से बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला, दोनों जगहों पर मिलाकर 700 से ज़्यादा कस्टमर्स ने अपनी अटेंडेंस दर्ज कराई।सबसे बड़ा मुद्दा महावितरण के पिछले पेंडिंग ड्यूज़ से जुड़ा था, जहाँ महावितरण के अधिकारियों ने कस्टमर्स को पार्ट-पेमेंट की सुविधा दी। टोरेंट के अधिकारियों ने कस्टमर्स को बिलिंग और विजिलेंस के मुद्दों पर गाइड किया और डिजिटल पेमेंट सर्विस, बिजली सिक्योरिटी, एनर्जी बचाने के टिप्स, बिजली चोरी के बारे में जागरूकता, नए बिजली टैरिफ और कई दूसरे टॉपिक पर कस्टमर्स के बीच जागरूकता पैदा करने का मौका लिया।इस स्पेशल कस्टमर सर्विस कैंप में MSEDCL के सीनियर अधिकारियों के साथ-साथ टोरेंट पावर के वाइस प्रेसिडेंट - जीवन क्लर्क, जनरल मैनेजर - अंकित साहा, राघवेंद्र राव, विजय राणे, संपदा जायंट और दूसरे सीनियर अधिकारी शामिल हुए। कस्टमर्स ने इस कैंप को बहुत अच्छा रिस्पॉन्स दिया, MSEDCL अधिकारियों से ऐसे कैंप रेगुलर लगाने की रिक्वेस्ट की और वहां मौजूद सीनियर अधिकारियों के साथ अलग-अलग टॉपिक पर बात करने का मौका लिया।

घाटे में चल रहा है दीपिका का स्किनकेयर ब्रांड

बॉलीवुड स्टार दीपिका पादुकोण के स्किनकेयर ब्रांड 82°E को इस साल (FY25) करीब 12.3 करोड़ का घाटा हुआ है। पिछले साल कंपनी ने 21.2 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं इस साल 82°E ने 14.7 करोड़ की कमाई ही की है। मतलब एक साल में लगभग 30 फीसदी की गिरावट आई है। अच्छी बात ये है कि कमाई कम होने के बावजूद घाटा पिछले साल के मुकाबले इस साल कम हुआ है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस साल कम खर्चा हुआ है और ऑपरेशन्स स्मार्ट तरीके से चलाए गए हैं।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, 82°E की पैरेंट कंपनी कॉस्ट कटिंग के साथ-साथ सेल्स बढ़ाने की भी कोशिश कर रही है, ताकि आने वाले सालों में प्रॉफिट कमाया जा सके। FY24 में जहां 82°E का कुल खर्च करीब 47 करोड़ था, वहीं FY25 में यह घटकर करीब 26 करोड़ रह गया। मार्केटिंग का खर्च भी 20 करोड़ से घटाकर सिर्फ 4.4 करोड़ कर दिया गया है।

100 करोड़ के रेवेन्यू तक पहुंचेगा कटरीना का ब्रांड

दूसरी तरफ कटरीना कैफ का मेकअप ब्रांड के ब्यूटी (Kay Beauty) अच्छी कमाई कर रहा है। 2019 में लॉन्च हुआ यह ब्रांड 2022 में ही प्रॉफिट में आ गया था। FY24 तक इसका रेवेन्यू करीब 88.23 करोड़ और प्रॉफिट 11.3 करोड़ तक पहुंच गया था। वहीं इस साल की बात करें तो 2025 में कंपनी का रेवेन्यू 100–105 करोड़ तक पहुंच सकता है। बता दें, के ब्यूटी, नायका के साथ पार्टनरशिप में चलता है और ऑफलाइन-ऑनलाइन दोनों जगह इसकी पकड़ मजबूत है इसलिए यह तेजी से स्केल कर रहा है।

वाहन चालकों को ई-चालान के केस निपटाने का मौका

- 5 दिसंबर से पहले ट्रैफिक सब-डिविजनल ऑफिस से संपर्क करें

ठाणे. मोटर व्हीकल एक्ट के तहत ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले ड्राइवरों पर फाइन लगाया जाता है। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस ड्राइवर के रजिस्टर्ड मोबाइल फोन पर फाइन का ई-चालान भेजती है और फाइन की रकम वसूलती है। अक्सर ड्राइवर फाइन नहीं भरते। ऐसे ड्राइवरों के खिलाफ केस फाइल किया जाता है। ऐसे कई केस पेंडिंग हैं और 13 दिसंबर 2025 को नेशनल लोक अदालत में ड्राइवरों को उन केस को निपटाने का मौका दिया गया है। इसके लिए ठाणे सिटी ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने ड्राइवरों से 5 दिसंबर से पहले ट्रैफिक सब-डिविजनल ऑफिस से संपर्क करने की अपील की है। जो ड्राइवर ट्रैफिक नियम तोड़ने पर लगाया गया फाइन नहीं भरते, उनके खिलाफ केस फाइल किया जाता है। ऐसे कई केस पेंडिंग होने की वजह से, उन गाड़ी चलाने वालों के केस निपटाने के लिए कोर्ट हर तीन महीने में नेशनल लोक अदालत लगाती है।

इसी के तहत, ठाणे कमिश्नरेट की सभी अदालतों में 13 दिसंबर 2025 को नेशनल लोक अदालत रखी गई है। जो नागरिक इस लोक अदालत में अपनी गाड़ियों के खिलाफ मामलों का निपटारा करना चाहते हैं वे 5 दिसंबर 2025 से पहले अपने पास के ट्रांसपोर्ट सब-डिवीजन ऑफिस में संपर्क करें, जुर्माना राशि का भुगतान करें और जरूरी दस्तावेज कोर्ट में जमा करें। ताकि 13 दिसंबर को लोक अदालत में उक्त गाड़ियों के खिलाफ लंबित मामलों का निपटारा हो सके और बकाया जुर्माने की राशि भी कम हो सके। हालांकि, 13 दिसंबर को लोक अदालत में सीधे उपस्थित होने वाले नागरिकों के बकाया जुर्माने की राशि कम नहीं होगी। उन्हें जुर्माने की पूरी राशि का भुगतान करना होगा। हालांकि, ज्यादा से ज्यादा गाड़ी चालक इस मौके का फायदा उठाकर 5 दिसंबर से पहले बकाया जुर्माना राशि का भुगतान करके मामलों का निपटारा करें। ठाणे शहर परिवहन विभाग ने यह अपील की है।

मुंबई में 53वीं ई एवं एफ साउथ वार्ड

विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ

- 55 स्कूलों ने दिखाया नवाचार का दम

ठाणे. मुंबई के मझगांव स्थित सेंट मैरी हाई स्कूल (SSC) में गुरुवार को 53वीं ई एवं एफ साउथ वार्ड विज्ञान प्रदर्शनी 2025–26 का भव्य शुभारंभ हुआ। शहर के दक्षिण विभाग की यह प्रमुख शैक्षणिक प्रदर्शनी इस वर्ष नवाचार, STEM शिक्षा और आत्मनिर्भर भारत की थीम पर केंद्रित रही।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय बैंड की आकर्षक प्रस्तुति और गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुई। मुख्य अतिथि डॉ. वैशाली वीर (शिक्षण निरीक्षक – दक्षिण विभाग) ने वार्ड ध्वज फहराकर दो दिवसीय प्रदर्शनी का औपचारिक उद्घाटन किया।

वैज्ञानिक सोच और STEM शिक्षा पर जोर

अपने संबोधन में डॉ. वीर ने कहा कि विज्ञान प्रदर्शनी केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करने का माध्यम है। उन्होंने कहा। बच्चे हमारी जनसंख्या का 20% हैं, लेकिन वे हमारे भविष्य का 100% हैं। उन्होंने STEM शिक्षा को विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत का आधार बताते हुए स्कूलों में नवाचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. ललिता देरेश्वर ने छात्रों को 'जिज्ञासा, कल्पना और दृढ़ता' को जीवन का हिस्सा बनाने की सलाह दी।

उन्होंने थॉमस एडिसन और सर सी.वी. रमण के उदाहरण देते हुए कहा कि दुनिया के महान वैज्ञानिक वहीं बनते हैं जहाँ बच्चों को सोचने, प्रयोग करने और प्रश्न पूछने की आज़ादी मिलती है।

55 से अधिक स्कूलों की भागीदारी

इस वर्ष 55 से अधिक विद्यालयों ने भाग लिया, जिनके छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण, AI, रोबोटिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजास्टर मैनेजमेंट, कृषि में तकनीक, जल संरक्षण और डिजिटल सॉल्यूशंस जैसे विषयों पर नवोन्मेषी मॉडल प्रस्तुत किए।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099